A-621

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

CVK-02

संस्कार इत्यादि परिचय

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. मानव जीवन में संस्कारों का क्या महत्व है। विस्तृत रूप से विवेचना करें।

Q.2. विवाह संस्कार की विधि का सविस्तार उल्लेख करें।

Q.3. श्री सूक्त का उल्लेख करते हुए, मानव जीवन में उपयोगिता सिद्ध करें।

Q.4. नान्दी श्राद्ध की आवश्यकता कौन–कौन से धार्मिक अनुष्ठानों में रहती है स्पष्ट करें।

Q.5. नवरात्रों का वैज्ञानिक महत्व क्या है? सविस्तार उल्लेख करें।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. नामकरण क्यों आवश्यक है? उपयोगिता सिद्ध करें।

Q.2. महालक्ष्मी पूजन का उल्लेख करें।

Q.3. शिव का वास्तविक वैज्ञानिक आधार क्या है। नित्य प्रति क्यों भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए? स्पष्ट करें।

Q.4. श्राद्ध शब्द का वास्तविक अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

Q.5. पुंस्वन संस्कार की विधि का उल्लेख करते हुए उसकी वैज्ञानिकता सिद्ध करें।

Q.6. आदित्यहृदयस्तोत्र का नित्यप्रति अध्ययन क्यों आवश्यक है? विस्तृत विवेचना करें।

Q.7. आरती दोनों सध्याकालों में क्यों आवश्यक है स्पष्ट करते हुए आरती के महत्व पर प्रकाश डालें।

Q.8. गणेश जी की वैज्ञानिक स्थिति को स्पष्ट करते हुए गणेश की आरती का क्या महत्व है? विवेचना करें।

****